vinetur

भंडार बढ़ने पर मध्य इटली के वाइन क्षेत्रों ने 2026 की उपज सीमा घटाई

इटली में वाइन का भंडार 7.2% बढ़कर 47.7 मिलियन हेक्टोलिटर पहुंचने के बाद Marche और Abruzzo ने Verdicchio और Montepulciano की उत्पादन सीमाएं घटाईं

गुरुवार, 12 नवंबर 2026



इटली के Marche और Abruzzo क्षेत्रों के वाइन प्राधिकरण 2026 की फसल से बाजार में उतारी जा सकने वाली वाइन की मात्रा घटा रहे हैं। उत्पादक बढ़ते भंडार और आपूर्ति तथा मांग के बीच कमजोर होते संतुलन से निपटने की कोशिश कर रहे हैं।

इन उपायों का असर मध्य इटली के कुछ सबसे प्रसिद्ध वाइन नामों पर पड़ेगा, जिनमें Marche का Verdicchio dei Castelli di Jesi DOC और Abruzzo का Montepulciano d'Abruzzo DOC शामिल हैं। दोनों मामलों में, कंसोर्ज़ियो और क्षेत्रीय प्राधिकरण कम उपज सीमाओं और अस्थायी भंडारण प्रतिबंधों का सहारा ले रहे हैं, ताकि फसल का एक हिस्सा बाजार से बाहर रखा जा सके और कीमतों पर दबाव कम हो।

ये कदम ऐसे समय उठाए गए हैं जब पूरे इटली में वाइन का भंडार ऊंचा बना हुआ है। ICQRF की प्रकाशित नवीनतम Cantina Italia रिपोर्ट के अनुसार, 31 अक्टूबर तक इटली की वाइनरी में 47.7 मिलियन हेक्टोलिटर वाइन थी, जो एक साल पहले इसी समय की तुलना में 7.2% अधिक है। इससे उद्योग के भीतर इस बात पर बहस तेज हुई है कि जब वाइन की उपलब्धता बाजार की उसे खपाने की क्षमता से तेजी से बढ़ रही हो, तब फसल की योजना कैसे बनाई जाए।

Marche में Istituto Marchigiano Tutela Vini ने क्षेत्रीय सरकार से Verdicchio dei Castelli di Jesi DOC के लिए उत्पादन सीमाएं बढ़ाने का अनुरोध किया है। यह क्षेत्र के प्रमुख वाइन नामों में से एक है। प्रस्ताव के तहत सीमा 110 क्विंटल अंगूर प्रति हेक्टेयर पर रखी जाएगी, जबकि इस DOC के सामान्य नियमों के तहत 140 क्विंटल की अनुमति है। इससे DOC के लिए दावा की जा सकने वाली अधिकतम उपज में करीब 21% की कटौती होगी।

प्रस्ताव में 30 जून, 2027 तक कम की गई सीमा से अधिक उत्पादित अंगूरों में से 21 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक की मात्रा पर अस्थायी रोक भी शामिल है। इसका उद्देश्य 2025 की बेहद भरपूर फसल के बाद वाइनरी में बची वाइन की मात्रा नियंत्रित करना और अतिरिक्त आपूर्ति से कीमतों पर और दबाव पड़ने का जोखिम घटाना है।

Verdicchio dei Castelli di Jesi करीब 1,900 हेक्टेयर में फैला है और इसमें 25 नगरपालिकाएं शामिल हैं। यहां हर साल लगभग 90,000 हेक्टोलिटर बोतलबंद वाइन बनती है। भंडार को लेकर चिंताओं के बावजूद, इस वाइन नाम ने व्यावसायिक स्तर पर कुछ मजबूती दिखाई है। संस्थान के उद्धृत आंकड़ों के अनुसार, 2026 की पहली छमाही में बोतलबंद वाइन की मात्रा 2.7% बढ़ी, जबकि घरेलू वितरण के जरिए बिक्री में केवल मामूली गिरावट आई।

संस्थान के निदेशक Alberto Mazzoni ने कहा कि आगे का काम दो मोर्चों पर होगा : मात्रा का प्रबंधन और प्रचार को समर्थन। संस्थान ने कहा है कि Marche की वाइन के लिए कम से कम चार साल तक लगातार प्रचार अभियान चलाने की जरूरत है।

Abruzzo में 2026 की फसल से जुड़े उपाय क्षेत्रीय सरकार ने Consorzio Tutela Vini d'Abruzzo के प्रस्ताव के बाद पहले ही मंजूर कर दिए हैं। Montepulciano d'Abruzzo DOC के लिए इस नाम के तहत तय की जा सकने वाली अधिकतम उपज 150 से घटाकर 135 क्विंटल प्रति हेक्टेयर कर दी गई है।

इस व्यवस्था के तहत 110 क्विंटल प्रति हेक्टेयर का स्वतंत्र रूप से उपयोग किया जा सकता है, जबकि शेष 25 क्विंटल फसल आरक्षित रहेगी और कम से कम 30 जून, 2028 तक बाजार में नहीं बेची जा सकेगी। इस व्यवस्था से प्राधिकरण उत्पादन का एक हिस्सा प्रशासनिक नियंत्रण में रोक सकते हैं और साथ ही बिक्री के लिए तुरंत उपलब्ध मात्रा घटा सकते हैं।

Pecorino IGT Terre d'Abruzzo, जिसे Terre Abruzzesi के नाम से भी जाना जाता है, पर भी खास प्रतिबंध लागू हैं। 2026 के लिए दावा की जा सकने वाली अधिकतम उपज 140 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तय की गई है। इस स्तर से अधिक, यानी 140.01 से 220 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक का उत्पादन 30 सितंबर, 2027 तक भंडारण में रखना होगा, बशर्ते इस उपाय को आगे न बढ़ाया जाए।

ये फैसले पहले से बड़े भंडार की पृष्ठभूमि में लिए गए। कंसोर्ज़ियो के जारी आंकड़ों के अनुसार, 31 मई तक वाइनरी में Montepulciano d'Abruzzo DOC की 1.08 मिलियन हेक्टोलिटर से अधिक और विभिन्न किस्मों की Pecorino की लगभग 240,000 हेक्टोलिटर वाइन थी। कंसोर्ज़ियो के अध्यक्ष Alessandro Nicodemi ने कहा कि लक्ष्य आपूर्ति और मांग के बीच संतुलन बनाए रखना और ऐसी अतिरिक्त उपलब्धता से बचना है, जो कीमतों और वाइन कारोबार की लाभप्रदता को नुकसान पहुंचा सकती है।

Marche और Abruzzo में अपनाए गए उपाय उत्पादन श्रृंखला के अलग-अलग चरणों पर असर डालते हैं। किसी वाइन नाम के तहत दावा की जा सकने वाली उपज घटाने से उस नाम से बाजार में उतारे जा सकने वाले अंगूरों की मात्रा कम होती है। इसके विपरीत, प्रशासनिक रोक और फसल आरक्षित रखने से उत्पादन खत्म नहीं होता, बल्कि उसका एक हिस्सा

बाजार में आने में देर होती है। मांग सुधरने पर इससे उत्पादकों और नियामकों को अधिक लचीलापन मिलता है, लेकिन इससे भंडार का उपयोग भी बंध जाता है और भंडारण की जगह तथा बिक्री के समय की बेहतर योजना बनानी पड़ती है।

पेय उद्योग के लिए इसके निहितार्थ अंगूर के बागों के नियमों से कहीं आगे तक जाते हैं। कम उपज सीमाओं और अनिवार्य आरक्षित भंडार से निकट भविष्य में बिक्री के लिए उपलब्ध वाइन की मात्रा घट सकती है, जबकि भंडारण की जरूरत बढ़ेगी और वाइनरी के नकदी प्रवाह पर असर पड़ सकता है। यदि इन प्रतिबंधों से कीमतों को सहारा मिलता है, तो कुछ उत्पादक और वाइन निर्माता अपना लाभांश बचा सकते हैं। लेकिन मांग कमजोर बनी रहने पर इसका फायदा सीमित हो सकता है और भंडार रखने की लागत लाभप्रदता पर दबाव डालती रह सकती है।

यह बहस केवल Marche और Abruzzo तक सीमित नहीं है। Tuscany के Maremma क्षेत्र में स्थानीय कंसोर्ज़ियो अधिकारियों ने औपचारिक उपज सीमा में और कटौती के बजाय संरचनात्मक बदलावों पर केंद्रित एक अलग दृष्टिकोण की वकालत की है। कंसोर्ज़ियो के अनुसार, Maremma में अंगूर के बागों का वास्तविक उत्पादन अक्सर वाइन नाम के नियमों के तहत अनुमत अधिकतम स्तर से पहले ही कम होता है। ऐसे में इन सीमाओं को और घटाने का वास्तविक उत्पादन पर मामूली असर ही हो सकता है।

कंसोर्ज़ियो का प्रस्ताव इसके बजाय अंगूर के बागों की उत्पादन क्षमता पर कदम उठाने का है। इसमें नए रोपण के परमिट की समीक्षा और कम उपयुक्त क्षेत्रों में चुनिंदा तौर पर बेलें हटाने की संभावना शामिल है। यह रुख इटली के वाइन क्षेत्र में चल रही व्यापक चर्चा में एक और पहलू जोड़ता है : क्या अल्पकालीन भंडार प्रबंधन पर्याप्त है, या बदलती मांग के अनुरूप उत्पादन ढालने के लिए गहरे बदलावों की जरूरत है।

इस चर्चा का एक पहलू उपभोक्ताओं की बदलती पसंद है। Maremma कंसोर्ज़ियो ने लाल वाइन की तुलना में सफेद वाइन की बढ़ती मांग की ओर ध्यान दिलाया है। इस रुझान के चलते कुछ क्षेत्रों को यह नए सिरे से सोचना पड़ सकता है कि वे क्या उगाएं और किसका प्रचार करें। यह Abruzzo जैसे क्षेत्रों के लिए अहम है, जहां Montepulciano d'Abruzzo लाल वाइन की एक प्रमुख श्रेणी है, और Marche के लिए भी, जहां Verdicchio सफेद वाइन का प्रमुख नाम है और हाल के बोतलबंदी आंकड़े मजबूत रहे हैं।

व्यापक समस्या यह है कि वाइनरी में ऊंचा भंडार होने का मतलब अपने आप यह नहीं कि वाइन बिक नहीं रही। कुछ भंडार सामान्य परिपक्वता और बाजार में उतारने के चक्र को दर्शाता है। दबाव तब बढ़ता है जब बिक्री धीमी हो और उत्पादकों की पूंजी योजना से अधिक समय तक भंडार में फंसी रहे। ऐसी स्थिति में बाजार योग्य उपज घटाने से अल्पावधि में आपूर्ति प्रबंधित करने में मदद मिल सकती है, लेकिन उद्योग समूह यह भी संकेत दे रहे हैं कि प्रचार, निर्यात बाजारों तक पहुंच और उत्पादन को उपभोक्ता मांग के साथ बेहतर ढंग से जोड़ना क्षेत्र के भविष्य के लिए अहम बना रहेगा।